बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -23 - 02 -2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज क्रिया के बारे में अध्ययन करेंगे।

रचना के आधार पर क्रिया के भेद - रचना के आधार पर क्रिया के छह भेद हैं
(i) सामान्य क्रिया - कुछ क्रियाएँ भाषा में रूढ़ शब्द के रूप में प्रचलित होती हैं। वे मूल क्रियाएँ होती हैं। ये धातु में ना जोड़कर बनती है।
जैसे- पढ़ना, लिखना, आना, पाना, जाना, उछलना आदि। जैसे-

- कोयल अब नाचेगी।
- माँ ने खाना खाया।

(ii) प्रेरणार्थक क्रियाएँ - जिस क्रिया शब्द से यह ज्ञात हो कि कर्ता स्वयं कार्य न करके किसी दूसरों को कार्य करने की प्रेरणा देता है या किसी दूसरे से काम करवाता है तो उस क्रिया को प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं, जैसे- अध्यापिका ने बच्चों से निबंध लिखवाया।

(iii) संयुक्त क्रिया - जब दो या दो से अधिक क्रियाएँ आपस में मिलकर एक पूर्ण क्रिया बनाती हैं तो वह संयुक्त क्रिया कहलाती
है; जैसे-

- वह पढ़ रहा है।
- कल मेहमान चले जाएँगे।

(iv) नामधातु क्रिया - संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण शब्दों के अंत में प्रत्यय (अंत में जुड़ने वाला शब्दांश) लगाकर जो क्रिया बनती है, उसे नामधातु क्रिया कहते हैं।

(v) पूर्वकालिक क्रिया - जिस क्रिया का पूरा होना दूसरी क्रिया के पूरा होने से पूर्व पाया जाए, उसे पूर्वकालिक क्रिया कहते हैं; जैसे-वह पढ़कर सोएगा।

बहुविकल्पी प्रश्न

सही विकल्प चुनिए

1. किसी काम को करना या होना' कहलाता है

(i) क्रिया

(ii) कर्ता

(iii) कर्म

(iv) इनमें से कोई नहीं

2. 'काम' करने वाले को कहते हैं

(i) कर्ता

(ii) कर्म

(iii) क्रिया

(iv) कार्य